आज होगा विवादित मेट्रो-३ का

अंडरग्राउंड ट्रायल!

२०२४ में शुरू होना है कोलाबा- सीप्ज मेट्रो लाइन

सुजीत गुप्ता

पर्यावरण के लिए घातक कारशेड आरे के जंगल में बनाया जानेवाला विवादित फैसला है। इसके बावजूद आज कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज भूमिगत मेट्रो-३ का ट्रायल सुबह ११ बजे होने जा रहा है। यह ट्रायल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में होगा। आरे के सारीपुत नगर स्थित ट्रैक पर यह परीक्षण किया जानेवाला है। एक तरफ आरे कारशेड का पर्यावरणविद् विरोध कर रहे हैं तो वहीं इसका ट्रायल शुरू करने का फैसला इस नई सरकार ने लिया है। इस परीक्षण के लिए आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी से अल्स्टॉम कंपनी के आठ डिब्बे पिछले महीने मुंबई में पहुंचे हैं।

होगा १०हजार किमी का ट्रायल रन

मुंबई स्थित ट्रैफिक समस्या को दूर करने व प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कोलाबा से सीप्ज इस मार्ग पर मेट्रो-३ का काम प्रगति पर है। इस मार्ग के लिए अलस्टोम नामक कंपनी ने आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी स्थित ८ डिब्बे की मेट्रो तैयार कर ली है। इस मेट्रो कोच का वहां पर तकनीकी ट्रायल रन हो चुका है। अब प्रत्यक्ष रूप से ये ट्रायल रन मुंबई में किया जाएगा। खास बात ये है कि ये ट्रायल रन मुंबई में करीब १० हजार किमी का किया जाएगा। उसके बाद कोलाबा से सीप्ज अंडरग्राउंड मार्ग पर चलने के लिए तैयार हो जाएगी। ये ट्रायल रन सफल होने के बाद ऐसे ३१ ट्रेन सेट इन मार्ग पर चलने के लिए उपलब्ध होंगे।

८ डिब्बों का होगा मेट्रो सेट

अंडरग्राउंड मेट्रो ट्रेन सेट ८ डिब्बों का होने के साथ ही करीब १७७.२ मीटर लंबी होगी, जो एक बार में लगभग ३,००० यात्रियों को ढोएगी। मेट्रो कोच में सीसीटीवी कैमरे, स्मोक डिटेक्टर, आपातकालीन इंटरकॉम और आग बुझानेवाले बड़े दरवाजे हैं जो आपात स्थिति में यात्रियों को जल्दी से निकालने के लिए बनाए गए हैं। ट्रेनों में साइनेज, ग्रैब रेल्स की तीन लाइन, ग्रैब हैंडल, होल्डिंग के लिए पोल और सामान रखनेवाले यात्रियों के लिए भी जगह बनाई गई है। बता दें कि मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड २०२४ की पहली तिमाही में कार डिपो का काम पूरा करने तथा सीप्ज और बीकेसी के बीच पहले चरण के कमर्शियल ऑपरेशन करने की उम्मीद कर रही है। गौरतलब है कि मेट्रो-३ की कलर स्कीम एक्वा लाइन के रूप में समुद्र से प्रेरित है।

पहले फेज में - १२.२२ किमी
दूसरे फेज में - २१.३९ किमी
कुल रूट- ३३.३ किमी
जून २०२४ से पूरे रूट पर दौड़ेगी मेट्रो
दिसंबर २०२३ से फेस १ पर दौड़ेगी मेट्रो

हाईकोर्ट में दायर हुई याचिका

कांजुरगांव में करीब ५०० एकड़ जमीन किराए पर ली गई है। इसमें मेट्रो कारशेड के लिए ली गई जमीन का भी समावेश है। इसलिए जिलाधिकारी ने जी १०२ एकड़ जमीन एमएमआरडीए को देनेवाला आदेश पत्र दिया है। उसे तत्काल रद्द करने की मांग महेश कुमार गरोडिया ने की थी। उनकी इस मांग से खलबली मच गई। इसके अलावा गरोडिया ने केंद्र सरकार के करार को रद्द करने के फैसले को भी साल २००५ में हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मामले में हाईकोर्ट ने गरोडिया को फिलहाल राहत देते हुए विवादित जमीन को लेकर अंतिम फैसला होने तक उनकी याचिका को कायम रखने की अनुमति दी थी।